

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
अध्ययन समिति बैठक संख्या -3
बैठक का कार्यवृत्त/मिनट्स ऑफ मीटिंग

आज दिनांक 11 सितंबर, 2021 दिन शनिवार पूर्वाह्न 11.30 बजे हिन्दी विभाग की विभागीय अध्ययन समिति की ऑनलाइन बैठक गूगल मीट meet.google.com/kzz-eimhcljk पर सम्पन्न हुई जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित थे-

1. प्रो. रत्नेश विष्वक्सेन- प्रोफेसर सह विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय- अध्ययन समिति अध्यक्ष
2. प्रो. रसाल सिंह- प्रोफेसर सह विभागाध्यक्ष, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय- बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. डॉ मिथिलेश कुमार सिंह- प्राचार्य, रामगढ़ कॉलेज-बाह्य विषय विशेषज्ञ
4. डॉ रचना सिंह- एसोसिएट प्रोफेसर-हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय-बाह्य विषय विशेषज्ञ
5. डॉ शशि सिंह- एसोसिएट प्रोफेसर सह अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय-सदस्य
6. डॉ मयंक रंजन- एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी अध्ययन विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय- सदस्य
7. डॉ रजनीकांत पाण्डेय- असिस्टेंट प्रोफेसर, जनजातीय अध्ययन विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय- सदस्य
8. डॉ उपेन्द्र कुमार- असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय-सदस्य
9. डॉ जगदीश सौरभ- असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय-सदस्य
10. डॉ रविरंजन कुमार- असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय-आमंत्रित सदस्य

सर्वप्रथम अध्ययन समिति अध्यक्ष प्रो. रत्नेश विष्वक्सेन ने समिति के सभी सदस्यों का स्वागत किया तदन्तर प्रस्तावित कार्य सूचियों पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से अध्ययन समिति के सदस्यों ने प्रस्तावित कार्यसूचियों को अनुमोदित किया। प्रस्तावित कार्यसूचियों की चर्चा और उनका अनुमोदन निम्नवत है-

कार्यसूची प्रस्ताव संख्या-1- नई शिक्षा नीति-2020 के आलोक में चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के संरचना की सैद्धान्तिक स्वीकृति।

चर्चा और अनुमोदन- इस प्रस्ताव का सभी सदस्यों विशेषकर बाह्य विषय विशेषज्ञ सदस्यों ने स्वागत किया। सभी ने इसके पक्ष में विचार रखे। बाह्य विषय विशेषज्ञ डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ रचना सिंह और प्रो. रसाल सिंह तीनों ने पाठ्यक्रम को रोचक, उपयोगी, रोजगारपरक, सामयिक और कौशल विकास के अनुरूप विकसित करने पर बल दिया। इस पाठ्यक्रम के संचालन के लिए अतिरिक्त शैक्षणिक पदों की स्वीकृति पर विशेष बल देते हुए कहा कि

h
15/9/21
11/09/21

raavi rajan
11/09/21

Rajendra

11/09/21

चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम का प्रारंभ वर्तमान स्वीकृत शैक्षणिक पदों के अलावा नए शैक्षणिक पद सृजन के बाद ही किया जाए जिससे कि नई शिक्षा नीति-2020 का सकारात्मक उद्देश्य फलीभूत हो सके। सदस्य डॉ मयंक रंजन ने पाठ्यक्रम संरचना में विश्वविद्यालय स्तर पर क्रेडिट समानता की बात पर बल दिया।

इस चर्चा के उपरांत अध्ययन समिति ने चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को अतिरिक्त शैक्षणिक पद सृजन के उपरांत संचालित करने की सैद्धान्तिक स्वीकृति दी।

कार्यसूची प्रस्ताव संख्या-2- विभाग में चार शैक्षणिक पद सृजन की स्वीकृति का प्रस्ताव

चर्चा और अनुमोदन- इस चर्चा के आरम्भ में अध्ययन समिति अध्यक्ष ने यह जानकारी दी कि वर्तमान में विभाग में पांच शैक्षणिक पद (प्रोफेसर-1, एसोसिएट प्रोफेसर-1, असिस्टेंट प्रोफेसर-3) स्वीकृत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रावधानों के अनुसार एक विभाग के लिए सात पद प्रारंभिक स्तर पर निर्धारित किये गये हैं। इसलिए आयोग के प्रावधानों और नई शिक्षा नीति-2020 के आलोक में चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के संचालन के पूर्व विभाग में कुल चार शैक्षणिक पदों (एसोसिएट प्रोफेसर-1, असिस्टेंट प्रोफेसर-3) के सृजन के प्रस्ताव को विशेष प्राथमिकता के साथ अध्ययन समिति के सदस्यों ने स्वीकृत और अनुमोदित किया।

अन्यान्य में अध्ययन समिति अध्यक्ष ने विभाग के नवनियुक्त प्राध्यापकों की शोध निदेशक की पात्रता की अधिसूचना, विभागीय शोध समिति/DRC के गठन की अधिसूचना और विभाग में सत्र-2020 में पांच शोषार्थियों के नामांकन की सूचना दी।

बैठक के अंत में डॉ मयंक रंजन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। तदन्तर अध्यक्ष की अनुमति से बैठक समाप्त हुई।

Ravi Ranjan
11/09/21
डॉ रविंजन कुमार
(आयंत्रित सदस्य)

Jagdish Saurabh
11/09/21
डॉ जगदीश सौरभ
(सदस्य)

Upendra Kumar
11/09/21
डॉ उपेन्द्र कुमार
(सदस्य)

Rajankant Pandey
डॉ रजनीकान्त पाण्डेय
(सदस्य)

M. Yank R. J.
11/9/21
डॉ मयंक रंजन
(सदस्य)

Rishi Singh
11/9/2021
डॉ राशि सिंह
(सदस्य)

Ravi Ranjan

R

M

R
11/09/21

Rajankant Pandey

ई० प्रो० द्वारा प्रस्तोयित प्रेषित
(ए-१-२)

डॉ रचना सिंह
(बाह्य विषय विशेषज्ञ)

ई० प्रो० द्वारा प्रस्तोयित प्रेषित
(ए-१-२)

डॉ मिथिलेश कुमार सिंह
(बाह्य विषय विशेषज्ञ)

C-61
ई० प्रो० द्वारा प्रस्तोयित प्रेषित
(ए-१-२)

प्रो. रसातल सिंह
(बाह्य विषय विशेषज्ञ)

Ravishankar Singh
11/09/2021

प्रो. रत्नेश विष्णुसेन
(अध्यक्ष, अध्यक्षन समिति)

15/9/21

Mayank Rajan
11/9/21

Raj
11/09/21

Ravi Ranjan
11/9/21

Rajani Kant